DEPARTMENT OF SKIN, VENEREOLOGY DERMATOLOGY & LEPROSY

CIMS, BILASPUR

CME, SOCIAL ACTIVITIES AND CONFERENCES PHOTOS

Sexually Transmitted Infections
Date : 03.02.2018
Department of Skin & V.D.
CIMS, Bilaspur

CIMS, BILASPUR

त्वचा रोग विशेषज्ञों के दो दिवसीय सम्मेलन का समापन

चर्म रोग से निबटने दी नई जानकारी

प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में उपस्थित डाक्टर्स।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

त्वचा रोग विशेषज्ञों के दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। शहर के एक निजी होटल में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ शनिवार को हुआ था। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने चर्म रोगों से निबटने नई जानकारियां साझा कीं। समापन अवसर पर प्रदेश भर से 70 से अधिक विशेषज्ञ डाक्टर मौजूद थे।

सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस मौके पर मैंगलोर मेडिकल कालेज के प्रोफेसर डा. जीएस पाई, मैसूर मेडिकल कालेज के प्रोफेसर डा. जयदेव बेनकरूर भी मौजूद थे। पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष डा. डेविड हेनरी ने समाज में

- सम्मेलन में प्रदेशभर के 70 से अधिक चर्म रोग विशेषज्ञों ने लिया भाग

शत-प्रतिशत कुष्ठ रोग को मिटाने की बात कही। सम्मेलन में डा. भरत सिंघानिया, डा. शैलेंद्र सिंह, डा. मोहन गुप्ता के मार्गदर्शन में डा. अनुराग तिवारी, डा. आलोक सुल्तानिया, डा. जेपी स्वाइन, डा. शांतनु मिश्रा ने भी चर्म रोगों के उपचार की जानकारी दी। इस मौके पर डा. अजय पाण्डेय, डा. कल्पना लूथरा, डा. अजय अग्रवाल, डा. प्रियंका मेघानी, डा. पीवी रामाकृष्णा, डा. देवेंद्र शुक्ला, डा. श्वेता खुशलानी सहित प्रदेश भर से आए डाक्टर्स मौजूद थे। सम्मेलन का समापन रविवार को हुआ। समापन अवसर पर डा. जेपी स्वाइन, डा. आलोक सुल्तानिया ने चर्म रोगों पर हुए शोध के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर मैंगलोर, मैसूर, भोपाल, इंदौर, रायपुर, बिलासपुर सहित पूरे प्रदेश से आए डाक्टर्स मौजूद थे।

डा. सिंघानिया बने प्रदेश अध्यक्ष

सम्मेलन के दूसरे दिन त्वचा रोग से संबंधित परिचर्चा हुई और इलाज की नई पद्धतियों पर बाहर से आए विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। सम्मेलन में रायपुर के डा. भरत सिंघानिया को एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष एवं डा. शैलेंद्र सिंह को सचिव बनाया गया। डा. सिंघानिया ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चर्म रोगों के संबंध में नई तकनीकों की जानकारी और इलाज के लिए हो रहे नए अविष्कार को बताना था। प्रदेश के प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञों की उपस्थिति से सम्मेलन सफल हुआ।

Continue Medical Education
on
Sexually Transmitted Infections
Date : 03.02.2018
Depa ment of Skin & V.D.
MS, Bilaspur

यौन जनित रोगों के कारणों की छात्रों को दी गई जानकारी

सिम्स के आडिटोरियम में हुई वैज्ञानिक संगोष्ठी

बिलासपुर, 4 फरवरी (देशबन्धु)। सिम्स के स्किन डिपार्टमेंट द्वारा यौन रोगों के लक्षणों, पहचान, निदान की नवीन पद्धति पर वैज्ञानिक संगोष्ठी हुई।

सिम्स के ऑडिटोरियम में आयोजित यौन संक्रमण कार्यशाला के पहले सत्र में पीएसएन डिपार्टमेंट की एचओडी हेमलता ठाकुर ने यौन संक्रमण के कारणों की जानकारी दी। देश में इनके मरीजों की स्थिति पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डा.जे पी स्वाइन ने पुरूषों के रविज रोगों के लक्षण व उपचार, डॉ. संगीता जोगी ने महिलाओं के यौन रोग के संबंध में जानकारी दी। दूसरे सत्र में सिम्स के डीन डॉ.पी के पात्रा ने प्रमुख यौन जनहित रोगों तथा सिफलिस, गनोरिया, हरपिज, डोनोवेनोसिस, शेंक्रायड आदि की अत्याधुनिक उपचार पद्धति से अवगत कराया। वहीं डाक्टरों ने चर्मरोग से संबंधित बीमारियों से बचने की जानकारी दी। इस कार्यशाला पर सिम्स के चिकित्सा अधीक्षक डा.रमणेश मूर्ति, डॉ. भूपेन्द्र कश्यप, डा. बी पी सिंह, डा. लखन सिंह, डॉ. विभा धुर्व, चीफ मेडिकल सुपेरिटेंडेंट एसईसीएल मीनाक्षी देव, स्पाइन सर्जन डॉ. पूर्णेन्द्र सक्सेना के साथ अन्य डाक्टर और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

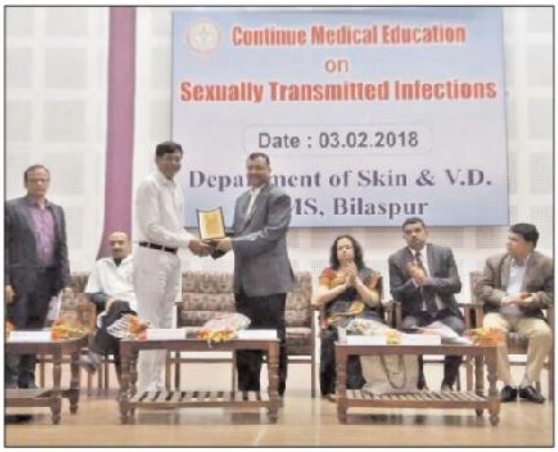

EXAMINATION ROOM XI
DEPTT. OFFICE | STORE
MINOR O.T.
TEACHING ROOM
DAY
VICTORY
VITILIGO

DAY
Support the Cause
VICTORY
VITILIGO

यौन रोग विभाग
Brinton

ENT-OPD
WAY TO
STI/RTI क्लीनिक
WAY TO
E.N.T.)
(SKIN)
• ENDOSCOPY ROOM
• EXAMINATION ROOMS
• TEACHING ROOMS
• TREATMENT ROOMS
MINOR O.T.
• MAJOR O.T.
• EXAMINATION ROOMS
• CONSULTANT ROOMS
• MINOR O.T.
AUDIOMETRY
SKIN, LEP
&
S.T.I. DEPART
Brinton

CUTICON-CG
1st & 2nd December 2018, Bilaspur
Annual State Conference of IADVL, Chhattisgarh Branch
Enlightenning For Perception To Perfection .....
BILASPUR

2018, Bilaspur
Chhattisgarh Bra
CUTICON-CG
Indian Association Of
Dermatologist
Venereologist &
Leprologist (IADVL)
Chhattisgarh Branch

CUTIC
1st & 2nd Dece
nual Conference of IA
CUTICON-CG